महाविद्यालय के एन.एस.एस. इकाई में 'QR' कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन प्रणाली:-

एन.एस.एस. की पंजीयन की प्रक्रिया जुलाई-अगस्त माह में प्रारंभ होती है किन्तु प्राय: यह अनुभव किया जाता है की ज्यादातर छात्र कार्यालय से पंजीयन फॉर्म(NSS-प्रपत्र क्रमांक 16) की प्रति प्राप्त कर वापस सबमिट नहीं करते और यदि करते भी है तो अधूरा, साथ ही महाविद्यालय में प्रवेशित कई नियमित छात्र भी समूचे सत्र में कुछ ही दिनों के लिए कक्षा में भाग लेते है,ऐसे छात्र भी एन.एस.एस. से परिचित नहीं हो पाते,पंजीयन के कार्य में बड़ी संख्या में कागजो का प्रयोग होता है जो पर्यावरण के हित में नहीं है इसलिए यह प्रणाली पंजीयन की प्रक्रिया को आसान और सरल बनाती है साथ ही **'डिजिटल इंडिया'** के मुहीम को और पुख्ता करने का एक लघु प्रयास है|

पारम्परिक पंजीयन प्रणाली के दोष:-

1.असंख्य कागजों का प्रयोग व पर्यावरण अहितकारी

2.समय व श्रम की अधिकता:--पंजीयन फॉर्म से छात्र की जानकारी,पंजी में लिपिबद्ध करने में गलती होने की सम्भावना होती है और सूचना का सही रूप में संधारण नहीं हो पाता|

3.सर्व सुलभ नहीं:- हार्ड कॉपी का फॉर्म कई बार छात्रों को आसानी से उपलब्ध नहीं हो पता है जबकि QR कोड द्वारा कही से भी सुविधाजनक तरीके से फार्म भरा जा सकता है जो की वर्त्तमान पीढ़ी के अनुकूल है|

'QR' कोड क्या है ?

'QR' कोड को पूर्ण रूप में 'क्विक रेस्पोंस' (Quick Response) कोड कहा जाता है यह बार कोड का एक उन्नत प्रकार है जो की सर्वप्रथम 1994 में प्रयुक्त किया गया था|

प्र. प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, अर्जुन्दा
जिला-बालोद (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

सरल रूप में कहे तो यह एक वर्गाकार आकृति के रूप में होती है जिसे स्कैन कर एनकोडेड लिंक,टेक्स्ट या सुचना तक पहुँचा जा सकता है| प्रमाणपत्र,ऑनलाइन पेमेंट,ऑनलाइन बुक्स आदि विभिन्न स्थानों पर QR कोड का प्रयोग किया जा रहा है|आजकल UPI आधारित ऑनलाइन पेमेंट में भी इसका प्रयोग हो रहा है|

'QR' कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन की प्रणाली की तकनीक :-

यह प्रणाली गूगल फॉर्म्स और QR कोड को मिश्रित कर बनायीं गयी है,जिसमे 'गूगल फॉर्म्स' में एन.एस.एस.के पंजीयन की सभी वांछित सुचना को बिंदुवार इस फॉर्म में तैयार किया अर्थात एन.एस.एस. के पंजीयन फॉर्म (प्रपत्र क्र.16) के सभी बिन्दुओं को आनलाइन फॉर्म में स्थान दिया गया है | गूगल फॉर्म्स के इस लिंक को QR CODE GENERETOR SOFTWARE की मदद से 'QR' कोड में रूपांतरित कर दिया गया|

'QR' कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन की प्रणाली कैसे काम करती है ?

छात्रो हेतु सूचना पटल पर सूचना चस्पा किया गया, जिसमे इस सूचना के साथ ही एक QR कोड की वर्गाकार आकृति भी उल्लेखित थी,छात्रो को इस आकृति को स्कैनिंग करने हेतु गूगल प्ले स्टोर से QR कोड स्कैन कर सकने वाला एप्प डाउनलोड करने को कहा गया| जैसे ही छात्र QR कोड स्कैन करते है एक ऑनलाइन पंजीयन फॉर्म स्वतः ही ओपन हो जाता है फॉर्म को सबमिट करते ही यह गूगल शीट्स में सेव हो जाता है जिससे पुनः एक्सेल शिट में टाइप करने की जरुरत नहीं होती और समय और श्रम की बचत

होती है| कॉलेज मे इस्तेमाल किया गया QR code तथा पंजीयन हेतु निर्देश नीचे चित्रित है।

पंजीयन फार्म भरने हेतु निर्देश:-

प्र. प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, अर्जुन्दा
जिला-बालोद (छ.ग.)

शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा जि. बालोद (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

NSS-GCA

कागज बचाइए, पेड़ बचाइए — save paper, save tree

एन.एस.एस. में भाग लेने हेतु निम्न "QR" कोड स्कैन करे

निर्देश:-

1. गूगल प्ले स्टोर से QR कोड स्कैन करने वाला कोई भी एप्प इनस्टॉल करे
2. एप्प इनस्टॉल करके स्कैनिंग करने लिए वर्गाकार रेखाओं के मध्य, पेपर पर बने QR कोड को मिलाइए
3. इसके बाद सीधे ऑनलाइन फॉर्म ओपन होगा, इस फॉर्म को भरिये और सबमिट कीजिये

स्कैन करने हेतु QR code:-

ऑनलाइन फॉर्म की प्रति:-

शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा जि. बालोद (छ.ग.)

प्र. प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, अर्जुन्दा
जिला-बालोद (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

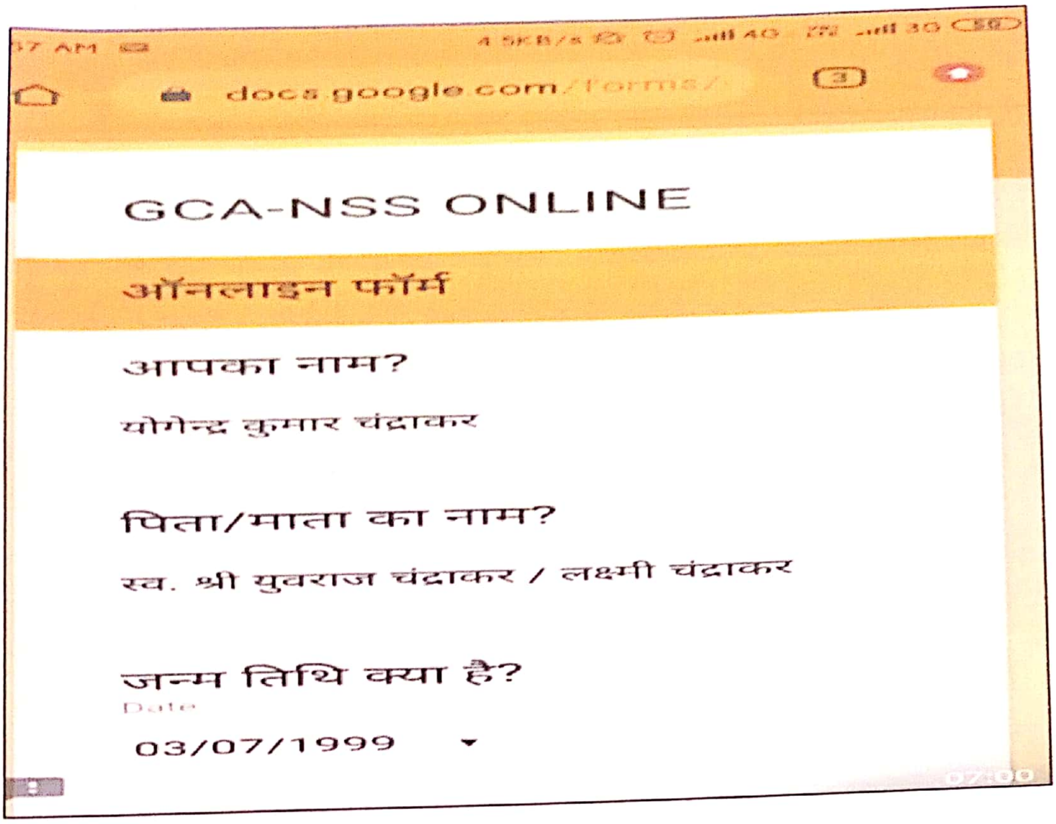
docs.google.com/forms/

GCA-NSS ONLINE

ऑनलाइन फॉर्म

आपका नाम?

योगेन्द्र कुमार चंद्राकर

पिता/माता का नाम?

स्व. श्री युवराज चंद्राकर / लक्ष्मी चंद्राकर

जन्म तिथि क्या है?

Date

03/07/1999

<u>इस प्रणाली के लाभ :-</u>

1.अंत्यत सरल व सुलभ प्रणाली

2.कागज की बचत व पर्यावरण हितकारी

3.समय व श्रम की बचत

4.'डिजिटल इंडिया अभियान' को बढावा देने वाली प्रणाली

5.छात्रों को NSS से ज्यादा से ज्यादा जोड़ने मे लाभकारी

<u>इस प्रणाली का भविष्य में उपयोग -:</u>

शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा जि. बालोद (छ.ग.)

प्र. प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, अर्जुन्दा
जिला-बालोद (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

1.यह सभी कालेजो में एक साथ लागू की जा सकती है किन्तु अभी यह गूगल पर आधारित है अतः एन आई सी (NIC) के सहयोग से अलग सिस्टम बनाया जाना चाहिए ताकि सभी प्रकार के डेटा सुरक्षित रहे

2.एन एस एस पंजीयन के आलावा ये विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रक्रिया व एग्जामिनेशन फॉर्म्स को भरने के दौरान भी प्रयोग में लायी जा सकती है|

प्रतिवेदक:-

कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
शासकीय महाविद्यालय

आयुष्मान मिश्रा

सहा.प्रा.भूगोल व कार्यक्रम अधिकारी

एन.एस.एस.(शासकीय महाविद्यालय

अर्जुन्दा)

Email- aym.geo@gmail.com

Ph.no.-9713762004,9131319299

प्र. प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, अर्जुन्दा

जिला-बालोद (छ.ग.)

Scanned with CamScanner